(b) if so, suggestions made in the seminar to improve the existing structure of farm finance in the country;

(c) whether Government have considered these suggestions; and

(d) if so, decisions taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT & COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE): (a) Yes, the Reserve Bank of India had organised a Seminar from 6th to 8th December, 1968 at Bombay.

(b) to (d). Suggestions made in the Seminar to improve the existing structure of farm finance in the country and action taken by the Government of India is indicated in a statement laid on the Table of the House. [*Placed on the Table of the House. See* No. LT-40/69.]

Post Office in Laccadive Islands

*SHRI P. M. SAYEED: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the number of Post Offices functioning in Laccadive Islands at present;

(b) whether Government have got any plan to increase their number during 1968-69; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS (SHRI SHER SINGH): (a) Nine, Sir.

(b) None, Sir.

(c) Does not arise.

पाकिस्तान से आये शरणार्थी

*73 **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या श्रम तथा पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत एक वर्ष में पाकिस्तान से कितने शरणार्थी भारत आए हैं;

(ख) उनमें से अधिकांश लोगों को किन किन स्थानों पर बसाया गया है;

(ग) इन शरणार्थियों को रोजगार आदि दिलाने के लिये क्या व्यवस्था की गयी है; और

(घ) शरणार्थियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर क्या पाकिस्तान सरकार से भी पत्र-व्यवहार किया गया है ?

श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) 1968 के अन्तर्गत पूर्वी पाकिस्तान से 11,464 व्यक्ति भारत आये ।

(ख) और (ग). 7640 व्यक्ति आसाम के शिविरों में हैं और 1940 त्रिपुरा के शिविरों में हैं ।

विस्थापित व्यक्तियों का कृषि में पुनर्व्यवस्थापन करने के लिये बहुत से राज्यों में पुनर्वास स्थल स्थापित कर दिये गये हैं । पूर्वी पाकिस्तान से आये प्रवासियों की भारी संख्या को दण्डकारण्य परियोजना में भी बसाया जा रहा है । इसके अतिरिक्त, अन्दमान तथा निकोबार द्वीपों तथा महाराष्ट्र के चान्दा जिले में विशेष क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है । गैर-कृषकों को व्यापार चालू करने के लिये और मकानों/दुकानों इत्यादि के निर्माण के लिये ऋण दिये जाते हैं । उनके लिये उद्योग तथा अन्य उपयुक्त उपक्रमों में रोजगार दिलाने के भी प्रयत्न किये जा रहे हैं ।

(घ) जी नहीं ।